उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी जिनमें इस प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा–

खण्ड 'अ'

इसमें दस वस्तुनिष्ठ लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे। प्रत्येक प्रश्न का लघुत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा। (अंक 10)

खण्ड 'ब'

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दिया जा सकता है। (अंक 50)

खण्ड 'स'

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं। (अंक 40)

टिप्पणी:– प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

साहित्य सिद्धान्त एवं पाठालोचन

सप्तम प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान : ~~सिद्धान्त~~ एवं व्यवहार पक्ष

NOT FOR SALE
FOR OFFICE USE ONLY

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम 20 अंक

1. काव्य की परिभाषा, काव्यहेतु, काव्य प्रयोजन, रस सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय

इकाई – द्वितीय 20 अंक

2. पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्तों का सामान्य परिचय (अरस्तु का विरेचन एवं अनुकरण, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, कालरिज का कल्पना सिद्धान्त)

इकाई – तृतीय 20 अंक

3. राजस्थानी काव्य शास्त्र
(छंद, अलंकार, काव्यजथा, काव्योक्ति एवं काव्यदोष)

इकाई – चतुर्थ 20 अंक

4. पाठालोचन के सिद्धान्त, पाठालोचन की प्रक्रिया

इकाई – पंचम 20 अंक

5. प्रमुख सम्पादकों की सम्पादन पद्धतियां (टैसीटरी, ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी, हरिनारायण पुरोहित एवं कन्हैयालाल सहल)